विषयानुक्रम

प्रस्तावना 11

संक्षिप्तियां 13

विषय प्रवेश 15

अध्याय एक

'पशु वस्तुतः भोजन हैं' लेकिन याज्ञवल्क्य गोमांस को प्राथमिकता देता है 21

अध्याय दो

पशु-बलि की अस्वीकृति : गाय की पवित्रता की प्रतिष्ठा? 46

अध्याय तीन

उत्तर धर्मशास्त्रीय परंपरा और आगे 68

अध्याय चार

कलियुग में गाय की स्थिति और गोमांसाहार की स्मृतियां 86

अध्याय पांच

एक विरोधाभासपूर्ण पाप और गाय की स्थिति का विरोधाभास 96

अध्याय छह

सारांश : 'पवित्र गाय' की निष्फल तलाश 104

सहायक ग्रंथसूची 111

अनुक्रमणिका 133